उत्तिष्ठ जाग्रत प्राक्प्य वरान्नीबोधत!

Arise,awake, obtaining, worthy, Know.

AZAD IAS ACADEMY

AZAD IAS ACADEMY

empowering nation...

(UNIT OF RPA STUDY CIRCLE PVT.LTD.)

CIN.-U80904UP2018PTC105960

GSTIN: - 09AYXPP5733G1ZO

विवरणिका 2020—21

We are Social

YouTube

621-A, SATYAM COMPLEX, G.T. RAOD, KOT GOAN, GHAZIABAD-201001

Email:azadiasacademy21593@gmail.com,|Web.:www.azsfosdacademy.com

Mob: +91 - 9115269789, 7982705327

हमारे बारे में ...

संघ लोक सेवा आयोग एवं मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा क्रमशः 2013 एवं 2018 से अमूल– चूल परिवर्तन किया गया है। यह परिवर्तन संरचनात्मक होने के साथ – साथ कार्यत्मक भी है । नए पाठ्यक्रम के अवलोकन से स्पष्ट है की भारत में लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने हेतु नैतिक शासन के नए आयामों की समझ विकसित करने के लए अभ्यर्थी में समग्र और अंतर्विषयक दृष्टिकोण का विकास एक अनिवार्य शर्त है । तार्किक, नैतिक तथा मूल्य–आधारित निर्णयन आज की नई आवश्यकता है ।
इस नए परिद्रश्य ने हिंदी माध्यम से तयारी करने वाले अभ्यर्थियों के समक्ष कुछ नई चुनौतियां प्रस्तुत की है ।

इन सभी बिंदुओं पर गहन अवलोकन के पश्चात अपने – अपने क्षेत्र के प्रसिद्ध, सफल युवा एवं ऊर्जावान विशेषज्ञों ने AZAD IAS ACADEMY की नींव रखी ।

AZAD IAS ACADEMY सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी हेतु एक अप्रतिम एवं निर्विवाद रूप सें सर्वोत्तम संस्थान हैं, जहाँ प्रतिभागियों के सर्वागीण विकास एवं उनकी सफलता को सुनिश्चित कराने हेतु अपने क्षेत्र की सर्वोत्कृष्ट टीम पूर्णरूपेण क्रियाशील एवं प्रतिबद्ध है । इस सर्वोत्कृष्ट टीम को पूर्णतः सहयोग प्रदान करने के लिए संस्थान में अतिवशिष्ट एवं दक्ष प्रबंधनउ एवं मजबूत कड़ी के रूप में एक अत्यंत ही विशिष्ट कार्यक्रम के तहत जुड़ी हुई है, जिससे की कक्षा– कार्यक्रम का संचलन एवं नामांकित अभ्यर्थियों को मजबूत सहयोग प्राप्त होता रहे। संस्थान का एकमात्र और अंतिम उद्देश्य देश के लिये ऐसे विशिष्ट की ओर गति अविरल और अबाध रूप से गतिमान रहे तथा उन्हें तैयारी के प्रत्येक स्तर पर एकसिविल सेवकों को चयनित कराना है जिससे समाज को दिशा और और राष्ट्र को शक्ति प्राप्त हो सके ।

AZAD IAS ACADEMY छात्रों के भीतर विनम्रता का विकास, उनके लिए सही कार्ययोजना, उचित रणनीति सला, प्रमाणित अध्ययन सामग्री विरतण के साथ–साथ प्रभावी मार्गदर्शन उपलब्ध कराता है । नियमित परीक्षण और उस पर आधारित सुभारात्मक सुझाव उम्मीदवारों की क्षमता और आत्मविश्वास में वृद्धि करते है जिससे की यहाँ अध्ययन रत छात्र देश की सर्वोच्च सेवा हेतु अंतिम रूप से सफल और चयनित हो सके ।

AZAD IAS ACADEMY

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

प्रारम्भिक परीक्षा पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्न पत्र

सामान्य विज्ञान एवं पर्यावरण, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की वर्त्तमान घटनाएँ, भारत का इतिहास एवं स्वतंत्र भारत, भारत का भूगोल, विश्व की सामान्य भगौलिक जानकारी, भारतीय राजनीति एवं अर्थव्यवस्था, खेलकूद, मध्यप्रदेश का भूगोल, इतिहास एवं संस्कृति, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम, मानव अधिकार संरक्षण 1993 आदि टॉपिक रहेंगे.

द्वितीय प्रश्न पत्र

बोधगम्यता (Comprehension), संचार कौशल सहित अंतर – वैयक्तिक कौशल, तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता, निर्णय लेना एवं समस्या समाधान (Decision-making questions), आधारभूत संख्यनन, हिंदी भाषा में बोधगम्यता कौशल जो 10th स्टैण्डर्ड का होगा....ये सब सम्मिलित हैं.

मध्य सेवा मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम

प्रश्न पत्र – 1 सामान्य अध्ययन पेपर – (1)

1 इतिहास एवं संस्कृति

1.1 विश्व इतिहास–

पुनर्जागरण,

इग्लैंड की क्रान्ति,

फ्रास की क्रान्ति

औद्योगिक क्रान्ति

रूसी क्रान्ति , प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध

1.2 भारतीय इतिहास –भारत का राजनीतिक, आर्थिक सामाजिक इतिहास, हड़प्पा से 10 वीं शताब्दी तक ।

1.3 मुगल और उनका प्रशासन मिश्रित संस्कृति का उद्भव।

11वी से 18 वी शताब्दी तक मध्यभारत का राजनीतिक, आर्थिक , सामजिक इतिहास।

1.4 ब्रिटिश शासन का भारतीय अर्थव्यवस्था एवं समाज पर प्रभाव ।

ब्रिटिश शासन के प्रति भारतीयों की प्रतिक्रिया कृषक एवं आदिवासियों का विद्रोंह, प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन/संग्राम।

1.5 भारतीय पुनर्जागरण राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोंलन एवं इसके नतृत्वकर्ता (मध्यप्रदेश के विशेष संदर्भ में)

1.6 गणतंत्र के रूप में भारत का उदय, राज्यों का पुनर्गठन, मध्यप्रदेश का गठन, स्वतत्रता प्राप्ति के पश्चात् के प्रमुख घटनाक्रम ।

1.7 मध्यप्रदेश के विशेष संदर्भ में भारतीय सांस्कृतिक विरासत प्राचीन काल से आधुनिक काल तक विभिन्न कला

प्रारूपों, साहित्य, पर्व (उत्सवों) , वास्तुकला के प्रमुख पक्ष।

भारत में विश्व धरोहर स्थल, मध्यप्रदेश में पर्यटन।

AZAD IAS ACADEMY

2 भूगोल–

2.1 भारत एवं विश्व भौतिक की प्रमुख विशेषताएं / लक्षण।

2.2 प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों का वितरण,
मध्यप्रदेश के कृषि – जलवायु क्षेंत्र एवं उद्योग

2.3 भारत एवं मध्यप्रदेश की जनांकिकी, मध्यप्रदेश की जनजातियां, आपदाग्रस्त जनजातियों के विशिष्ट संदर्भ में।

2.4 कृषि पारिस्थितिकी एवं मनुष्य के लियें इसकी प्रासगिकता, धारणीय प्रबंधन एवं संरक्षण। राज्य की प्रमुख फसलें, कृषि जोंत क्षेत्र एवं फसल चक्र, फसलों के उत्पादल और वितरण का भौतिक और सामाजिक पर्यावरण। राज्य मेब ीच एवं खाद की गुणवता एवं आपुर्ति
कृषि के तरीके, बागवानी , मुर्गी पालन, डेंयरी मछली एवं पशु पालन आदि के मुद्दे एवं समस्याएँ , कृषि उत्पादन, परिवहन, भण्डारण
एवं विपणन , डेंयरी, मछली एवं पशु पालन आदि के मुद्दे एवं समस्याएँ , कृषि उत्पादन, परिवहन, भण्डारण एवं विपणन आदि सें
संबधित समस्याएँ एवं चुनौतियों।

2.5 भारत में खाद्य प्रसंस्करण एवं संबधित उ़द्योग – संभावनाएं एवं महत्व, स्थान निर्धारण, उद्योग की पूर्ववर्ती एवं अग्रवर्ती आवश्यकताएँ मांग

<u>पूर्ति श्रृखंला प्रबंधन।</u>

<u>भारत में भूमि सुधार।</u>

3 जल प्रबंधन–

3.1 भू – जल एवंज ल संग्रहण प्रबंधन।

3.2 जल का उपयोग एवं कुशल सिंचाई प्रणाली।

3.3 पेयजल – आपूर्ति जक की अशुद्धता के कारक एवें गुणवता का प्रबंधन।

AZAD IAS ACADEMY

4 आपदा एवं आपदा प्रबंधन–

4.1 मावन निर्मित एवं प्राकुतिक आपदाएँ आपदा प्रबंधन की अवधारणाएं एवं विस्तार की संभावनाएं, विशिष्ट खतरे एव उनका एवं आपदा शमन।

4.2 सामुदायिक योजना संसाधन मानचित्रण, राहत एवं पुनर्वास, निरोधक एवं प्रशासनिक उपाय, सुरक्षित निर्माण,वैकल्पित संचार एवं जीवन
रक्षा हेतु दक्षता।

4.3 केस स्टडी (प्रकरण अध्ययन) – चेरनोबिल परमाणु संयंत्र त्रासदी 1986 भोजन गैस त्रासदी 1984 , कच्छ भूकंप 2001 , भारतीय
सुनामी 2004 फुकुसिया डायची जापान परमाणु आपदा 2011 , उत्त्राखंड बाढ़ 2013 ,उज्जैन त्रासदी 1994 इलाहाबाद कुंभ की भगदड़
2013 जम्मू एवं कश्मीर की बाढ़ 2014 आदि का अध्ययन।

प्रश्न पत्र – ।। सामान्य अध्ययन पेपर (।।)

1. सविधान शासन की राजनैतिक, एवं प्रशासनिक संरचना –

संविधान निर्माण समिति, भारत का संविधान, प्रस्तावना, बुनियादी संरचना, मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य एवं राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्त ,
संविधान की अनुसूचियां, सवैधानिक, संशोधन ,भारत के संविधान की अंन्य देशो के संविधानों के साथ तुलना।

1.2 केन्द्र एवं रज्य विधायिका ।

1.3 केन्द्र एंव राज्य कार्यपालिका।

1.4 न्यायपालिका – सर्वोच्च न्यायालय , उच्च न्यायालय जिला एवं अधीनरथ न्यायालय न्यायपालिका की अवमानना।

1.5 भारतीय संघ की प्रकृति केन्द्र एवं राज्यों के संबन्ध, शक्तियों का विभाजन (केन्द्र सूची राज्य एवं समवर्ती सूची) संसाधानों का वितरण ।

1.6 विकेन्द्रीयकरण एवं लोंकतांत्रिक शासन में जनभागीदारी , स्थानीय शासन, संविधान कें 73वें एवं 74वें संशोधन,पंचायतें, नगर पालिकाएँ
(ग्रामीण एवं नगरीय, स्थानीय शासन)

1.7 लोकपाल, लोकायुक्त एवें लोक न्यायालय–न्यायपालिका–संवैधानिक व्यवस्था के संरक्षण एवं प्रहरी के रूप में न्यायिक सक्रियता, जनहित याचिका।

1.8 जवाबदेही एवं अधिकार – प्रतिस्पर्धा आयोग, उपभोक्ता न्यायालय, सूचना आयोग महिला आयोग ,मावन अधिकार आयोग, अजा/अजजा/ अपिव आयोग, एवं अन्य निवारण संस्थाऐं/प्राधिकरण । पारदर्शिता एवं जवाबदेही, सूचना का अधिकार , सेवा प्राप्ति का अधिकार , सार्वननिक, निधि का उपयोग ।

1.9 लोकतंत्र की कार्य प्रणाली।

राजनीतिक दल, राजीनीतिक प्रतिनिधित्व , निर्णय प्रक्रिया में नागरिको की भागीदारी।

1.10 निर्वाचन

निर्वाचन आयोग, निर्वाचन संबंधी सुधार ।

1.11 समुदाय आधारित संगठन (CBOS) एवं गैर सरकारी संगठनों (NGOS) का उद्भव–स्व– सहायता समूह ।

1.12 मीडिया की भूमिका एवं समस्याऐ(इलेक्ट्रानिक, प्रिन्ट एवं सामाजिक)

2 बाह्य एवं आन्तरिक सुरक्षा के मुद्दे।

3 सामाजिक एवं महत्वपूर्ण विधान

3.1 भारतीय समाज, सामाजिक बदलायके एक साधन के रूप के सामाजिक विधान।

3.2 मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993

3.3 भारतीय संविधान एंव आपराधिक विधि (दण्ड प्रक्रिया संहिता) के अंतर्गत महिलाओं को प्राप्त सुरक्षा(सीआरपीसी)

3.4 घरेलू हिंसा स्रे स्त्री का संरक्षण अधिनियम– 2005

3.5 सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम 1955

3.6 अनूसूचित जाति और अनुसूचित जनजातिय (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989

3.7 सूचना का अधिनियम 2005

3.8 पर्यावरण(संरक्षण) अधिनियम 1986

3.9 उपभोक्ता सरंक्षण अधिनियम 1986

3.10 सूचना प्राद्यौगिकी अधिनियम–2000

3.11 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988

3.12 मष्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम – 2010

AZAD IAS ACADEMY

4 सामाजिक क्षेत्र– स्वास्थ्य , शिक्षा एवं संशक्तिकरण–

4.1 स्वास्थ्य सेवायें – भारत/मध्यप्रदेश में महिलाओं एवं बच्चों के संरर्भ में निरोधात्मक एवं उपचारात्मक स्वास्थ्य सहायकों (पैरामेडिकल स्टाक) की उपलब्धता, ग्रामीण क्षेत्र में चिकित्सा सेवायें।

4.2 कुपोषण – कारण और प्रभाव एवं पूरक पोषण हेतु शासकीय कार्यक्रम।

4.3 प्रतिरक्षा शास्त्र क्षेत्र में तकनीकी दखल – प्रतिरक्षण, पारिवारिक स्वास्थ्य, बायोटेक्नोलोजी, संक्रामक एवं असंक्रामक बीमारियां एवं उनके उपचार।

4.4 जन्म – मृत्यु संमक (वायटल स्टेंटिस्टिक्स)।

4.5 विश्व स्थास्थ्य संगठन – उद्देश्य, संरचना, कार्य एवं कार्यक्रम।

5 शिक्षण प्रणाली–

मानव संसाधन विकास में शिक्षा – एक सार्वभौमिक/समान प्रारम्भिक शिक्षा, उच्चशिक्षा एवं तकनीकि शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा की गुणवता बालिकाओ की शिक्षा से संबंधित मुद्दे वंचित वर्ग, निशक्त जन से संबंधित मुद्दे।

6 मानव संसाधन विकास–

कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता, भारत में मानव संसाधन की नियोजित एवं उत्पादकता, रोजगार के विभिन्न चलन (ट्रेंड्स), विभिन्न संस्थाओं जैसे एन.सी.एच.इ.आर, एन.सी.एच.ई.आर.टी, एन.आई.ई. पीए., यू.जी.सी., ओपन विश्व विद्यालय, ए.आई.सी.टी.ई., एन.सी.टी.ई., एन. सी.व्ही.टी., आई.आई.टी., आई.आई.एम., एन.आई.टी एन.एल.यू.एस. पोलीटेक्नीक एवं आई.टी.आई. आदि की भूमिका एवं मानव संसाधन विकास।

7 कल्याणकारी कार्यक्रम–

वृद्धजन निःशक्त जन, बच्चों, महिलाओं, श्रम, सामाजिक रूप स्रे वंचित वर्ग एवं विकास परियोजनाओं फलस्वरूप विस्थापित वर्गो से संबंधित मुद्दे एवं कल्याणकारी कार्यक्रम ।

8 लोक सेवाएं–

लोकसेवाएं, अखिल भारतीय सेवाएं, केन्द्रीय सेवायें, राज्य सेवाएं, संवैधानिक पद– भूमिका कार्य ओंर कार्य की प्रवृत्तिः संघ लोक सेवा आयोग , मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग। शासन के बदलते प्रारूप के संदर्भ मे केन्द्र एवं राज्य प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थायें।

9 लोक व्यय एवं लेखा–

लोकव्यय पर नियंत्रणा, संसदीय नियंत्रण प्राक्कलन समिति, लोकसेवा समिति आदि। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षण का कार्यालय, मौद्रिक एवं वित्तीय नीति में वित्त मंत्रालय की भूमिका , मध्यप्रदेश के महालेखाकार का गठन एवं कार्य।

10 अंतराष्ट्रीय संगठन

10.1 संयुक्त राष्ट्र एवं उसके सहयोगी संगठन।

10.2 अंरर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक एवं एशियाई विकास बैंक।

10.3 सार्क ब्रिक्स, अन्य द्विपक्षीय एवं क्षेत्रीय समूह।

10.4 विश्व व्यापार संगठन एवं भारत पर इसके प्रभाव।

प्रश्न पत्र – ।।। सामान्य अध्ययन पेपर (।।।)

विज्ञान और तकनीकी –

1 विज्ञान

1.1 हमारे आस – पास व्याप्त प्रदार्थ, तत्व, यौगिक, मिश्रण, धातुएँ और अधातुएँ , कार्बन और इसके यौगिक, अणु परमाणु , परमाणु की संरचना , रासायनिक अभिक्रियाएँ, अम्ल, क्षार एवं लवण।

1.2 जीव, जीवों के प्रकार , ऊतक , जीवन की इकाई , कोशिका, जैविक क्रियाएँ, चयापचय, नियंत्रण और सांमजस्य, प्रजनन, आनुवांशिकी एवं जैव विकास ।

1.3 गुरूत्वाकर्षण , गति बल ,गति के नियम, कार्य और ऊर्जा , प्रकाश ध्वनि, विद्युत एवं चुम्बकत्व।

2 तर्क एवं आंकड़ों की व्याख्या–

2.1 आधार संख्याएँ और सांख्यिकी (अंक और उनके संबध) संभाविता ।

2.2 आंकड़ो का प्रबंधन एंव व्याख्या (चार्ट , ग्राफ, तालिका, तथ्यांकि पर्याप्ता आदि)

2.3 अनुपात और समानुपात, इकाई विधि, लाभ एवं हानि, प्रतिशत, छूट साधारण और चक्रवर्ती व्याज।

2.4 क्षेंत्रविधि , क्षेत्रफल, परिमाप, आयतनं।,

2.5 तार्किक शक्ति , विश्लेषणात्मक क्षमता और समस्या समाधान।

AZAD IAS ACADEMY

3 तकनीकी–

3.1 विज्ञान एंव तकनीकी का सामाजिक और आर्थिक विकास में अनुप्रयोंग, देशज तकनीकी, तकनीकी हस्तान्तरण और नवीन तकनीकी का विकास

3.2 पेटेंन्ट और बौद्धिक सम्पदा के अधिकार (ट्रिप्स, ट्रिप्स)

3.3 विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेंत्रउ में भारतीयों का योगदान ।

4 विकासशील तकनीकी–

4.1 नवीन तकनीकी जैसे सूचना और संचार तकनीकी सूदूर संवेदन, अंतरिक्ष जी आय एस. जी पी एस, जैव प्रौद्योगिकी, नेनो तकनीकी कृषि और अन्य संबधित क्षेत्र, स्वास्थ्य ई– गर्वनंन्स, यातायात, स्थानिक नियोजन , गृह एवं क्रीड़ा आदि में इनके अनुप्रयोंग।

5 ऊर्जा

5.1 परंपरागत और गैर पंरपरागत ऊर्जा ससाधन।

5.2 ऊर्जा प्रबंधन मुद्दे और चुनौतियॉ।

5.3 वैकल्पित ऊर्जा संसाधनों की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाएँ।

6 पर्यावरण एवं धारणीय विकास

6.1 पर्यावरणीय क्षरण कारण , प्रभाव एवं निदान।

6.2 पर्यावरणीय संरक्षण विधियाँ, नीतियाँ और यिामक ढाँचा।

6.3 पर्यावरण एवं विकास पर चर्चा ।

6.4 ठोस, तरल, अपशिष्ट , जल– मल हानिकारक चिकित्सा अविशिष्ट एवं ई– वेस्ट का प्रबंधन।

6.5 जलवायु परिवर्तन कारण और निदानात्मक उपाय।

6.6 पर्यावरणीय छाप ओर इससे निपटनें की रणनतियॉ ।,

7 भारतीय अर्थव्यवस्था–

7.1 भारत में विकास का अनुभव ।

7.2 मध्यप्रदेश में मन्द औद्योगिक विकास कें कारण।

7.3 1991 के बाद से हुए आर्थिक सुधार औद्योगिक एवं वित्तिय क्षेत्र में सुधार, स्टॉक बाजार एवं बैकिंग प्रणाली।

AZAD IAS ACADEMY

7.4 उदारीकरण, निजीकरण एवें वैंश्वीकरण।

7.5 भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान प्रवृतियॉ एवं चुनौतियॉ ।

7.6 भारत में विकास का नियोजन ।

7.7 राष्ट्रीय आय एवं लेंखाकन की प्रणाली।

7.8 आधारभूत अधांसंरचना विकास एवं मुद्दे।

7.9 गरीबी, बेरोजगारी, क्षेत्रिय असंतुलन एवं प्रवजन।

7.10 नागरीय क्षेत्र के मुद्दे – नगरीय विकास के मुद्दे (सामाजिक एवं आर्थिक संरचना) एवं निम्न आय वर्गीय समूह के लिए आवास।

7.11 ग्रामीण क्षेत्र के मुद्दे , ग्रामीण विकास (सामाजिक एवं आर्थिक संरचना) एवं ग्रामीण साख।

7.12 विकास का सूचकांक, मानव विकास एंव आर्थिक विकास।

7.13 भारत और मध्यप्रदेश में सहकारिता आन्दोलन ।

7.14 मध्यप्रदेश और भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की महत्ता।

7.15 आर्थिक विकास के तत्व ।

7.16 कृषि क्षेत्र एवं अन्य सामाजिक क्षेत्रो के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सब्सीडी के मुद्दे।

7.17 लोक वितरण प्रणाली उद्देश्य, कार्यप्रणाली सीमाये खाद्य सुरक्षा एवं बफर स्टॉक से संबंधित मुद्दे ।

प्रश्न पत्र –(IV) सामान्य अध्यय पेपर (IV)

1 मानवीय आवश्कताएँ एवं अभिप्रेरणा

लोक प्रशासन मे नैतिक सद्गुण एवं मूल्य प्रशासन में नैतिक तत्व– सत्यनिष्ठा, उत्तरदायित्व एवं पारदर्शिता, नैतिक तर्क एंव नैतिक दुविधा तथा नैतिक मार्मदर्शन के रूप मे अन्तरात्मा लोंक सेवकों हेतु आचरण सहिता, शासन में उच्च मूल्यों का पालन।

1. दार्शनिक/विचारक, सामाजिक कार्यकर्ता/सुधारक – महावीर, बुद्ध, कौटिल्य, प्लेटों, अरस्तू गुरूनानक, कबीर, तुलसीदास, रवीन्द्रनाथ टैगोर , राजा मोहन रॉय, स्वामी दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानन्द , श्री अरविन्दों ,मोहनदास करमचंद गॉधी, सर्वपल्ली राधकृष्णन, भीमराव रामजीउ अम्बेडर मौलना अबुल कलाम आजाद, दीनदयाल उपापध्याय, राम मनोहर लोहिया आदि।

2 मनोवृत्ति विषयवस्तु तत्व, प्रकार्य मनोवृत्ति का निमार्ण, मनोवृत्ति परिवर्तन , प्रबोंधक संप्रषण, पूर्वाग्रह तथा विभेद, भारतीय संदर्भ में रूढिवादिता।

3 अभिक्षमता एवं लोक सेवा हेतु आधारभूत योग्यताएं, सत्यनिष्ठा , निष्पक्षता, एवं असमर्थकवादी, वस्तुनिष्ठता लोक सेवाके प्रति समर्पण , समानुपति सहिष्णुता एवं अशक्त वर्गो के प्रति संवेदना /करूणा।

4 संवेगिक बुद्धि अवधारणा , प्रशासन/शासन में इसकी उपयोगिता एवं अनुप्रयोंग।

5 भ्रष्टाचार भ्रष्टाचार के प्रकार एवं कारण , भ्रष्टाचार का प्रभाव , भ्रष्टाचार को अल्पतम करने के उपाय, समाज, सूचनातंत्र परिवार एंव विसलब्लोअर (Wisistleblower) की भूमिका भ्रष्टाचार पर राष्ट्रसंघ की घोषणा (रवैया) भ्रष्टाचार क मापन, अंतर्राष्ट्रीय पारदर्शिता आदि ॥

6 पाठ्यक्रम मे सम्मिलित विषयवस्तु पर आधारित प्रकरणों का अध्ययन।

पंचम प्रश्नपत्र

सामान्य हिन्दी

इस प्रश्नपत्र का स्तर स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्रों के समकक्ष होगा। इसका उद्देश्य उम्मीदार की पढ़ने समझने और लेखन की योग्यता एवं हिन्दी में स्पष्ट तथ सही विचार व्यक्त करने की जाँच करना है। सामान्यत निम्नलिखित विषयों पर प्रश्न पूछे जायेंगें

(क) पल्लवन, संन्धि व समास

(1) दिये गए वाक्यों का व्यापक अर्थ (शब्द – सीमा 50 शब्द)

(2) सन्धि, समास व विराम चिन्ह

(ख) संक्षेपण

(ग) प्रारूप लेखन – शासकीय व अर्धशासकीय पत्र, परिपत्र, प्रपत्र, विज्ञापन , आदेश, पृष्ठांकन, अनुस्मारक(स्मरण पत्र), अधिसूचना, विप्पण

लेखन – (कोई दो)

AZAD IAS ACADEMY

(घ) प्रयोग, शब्दावली तथा प्रारम्भिक व्याकरण

(1) प्रशासनिक पारिभषिक शब्दावली (हिन्दी व अंग्रेजी)
(2) मुहावरे अथवा कहावतें
(3) विलोम शब्द एवं समामार्थी शब्द
(4) तत्सम– तद्भव शब्द
(5) पर्यायवाची शब्द
(6) शब्द युग्म

(ड़) (1) अपठित गद्यांश

(2) प्रतिवेदन– (प्रशासनिक, विधि, पत्रकारिता, साहित्य व सामाजिक)

(च) अनुवाद (वाक्यों का)
हिन्दी से अग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिन्दी

षष्ठम प्रश्नपत्र

हिन्दी निबंध लेखन

1.	प्रथम निबंध (लगभग 1000 शब्दों में)	अंक	–	50
2.	द्वितीय निबंध (लगभग 250 शब्दों में)	अंक	–	25
3.	तृतीय निबंध (लगभग 250 शब्दों में)	अंक	–	25
	योग–अंक–			**100**

AZAD IAS ACADEMY

AZAD IAS
ACADEMY